सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री बसंत साठे): (क और (ख). भारत में विदेशी फिल्मों का आयात तीन ऐजेंसियों अर्थात् राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम, मोशन पिक्टर एक्सपोर्ट एसोसियेशन आफ अमरीका और सोवेक्स पोर्ट द्वारा किया जाता है। विदेशी फिल्मों को आयात करने का मुख्य मापदंड उनकी गुणवत्ता है। यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि फिल्में सामान्य रूप से सेंसर संबंधी मार्गदर्शी सिद्धांतों के अन्दर ही और उनमें ऐसा कुछ न हो जो राजनैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से आपत्तिजनक हो।

1980–81 के दौरान आयात की गई विदेशी फिल्मों की देश-वार संख्या इस प्रकार है :–

(1) अमरीका	89	(राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम द्वारा 25 और मोशन पिक्चर एक्सपोर्ट एसोसियेशन आफ अमरीका द्वारा 64)
(2) इंगलैंड	10	
(3) आस्ट्रेलिया	4	
(4) चैकोस्लोवाकिया	1	
(5) फ्रांस	1	
(6) हांग कांग	2	(राष्ट्रीय फिल्म वकास निगम औरि मोशन पिक्चर एक्सपोर्ट एसोसिएशन आफ अमरीका द्वारा एक-एक)
(7) इटली	3	(राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम द्वारा एक और मोशन पिक्चर एक्सपोर्ट एसोसिएशन आफ अमरीका द्वारा दो)
(8) जापान	2	(राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम और मोशन पिक्चर एक्सपोर्ट एसोसिएशन आफ अमरीका द्वारा एक-एक)
(9) टर्की	1	
(10) सोवियत संघ	14	(31-12-81 तक सोवेक्सपोर्ट द्वारा)

Central power projects under construction in U.P. and H.P.

*801. SHRI JITENDRA PRASAD: Will the Minister of ENERGY be pleased to lay a statement showing:

(a) the names of central power projects under construction in Uttar Pradesh and Himachal Pradesh together with the generation capacity in each case; and

(b) estimated expenditure thereon and the time by which they will be completed?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI VIKRAM MAHAJAN): (a) and (b). **The details of the Central power projects under construction in Uttar Pradesh**

and Himachal Pradesh are given below:—

Name of Project	State	Capacity	Estimated cost	Commissioning schedule
			(Rs. in crores)	
1. Singrauli Thermal Project . .	U.P.	2000 MW	995.17	Ist Unit 1981-82 last Unit 1987-88
2. Baira-Siul Hydro Electric Project .	H.P.	180 MW	140.15	December, 1981
3. Narora Atomic Energy Project .	U.P.	2x235 MWe	327.40	Ist unit 1984-85 2nd unit 1985-86

विकास समर्थक राष्ट्रीय संचार नीति

*802. **श्री निहाल सिंह :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या संचार-समस्याओं के अध्ययन के लिये अन्तराष्ट्रीय आयोग का पांचवां सेशन मार्च, 1979 में भारत में हुआ था ;

(ख) क्या इस आयोग ने इस बीच अपना प्रतिवेदन दे दिया है और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) यदि नहीं, तो अब तक प्रतिवेदन प्रस्तुत किये जाने के क्या कारण हैं और इस प्रतिवेदन के कब तक प्रस्तुत किये जाने की संभावना है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री बसंत साठे).: (क) जी हां ।

(ख) जी, हां । ब्यौरा संलग्न है।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

विवरण

संचार समस्याओं के अध्ययन संबंधी अन्तराष्ट्रीय आयोग, जिसे मेकब्राइड आयोग के नाम से जाना जाता है, की रिपोर्ट यूनेस्को महानिदेशक को 1979 के अन्त में प्रस्तुत की गई थी। इसमें आधुनिक समाज में संचार समस्याओं की उसके तुलनात्मक और विभिन्न सांस्कृतिक परिणामों—औद्योगिक, राजनीतिक, आर्थिक, कानूनी, सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक—और विभिन्न स्तरों—व्यक्तिगत, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय—पर जांच की गई है। यह रिपोर्ट विश्व की संचार समस्याओं और नीतियों की समग्रता का व्यापक अध्ययन है ।

2. इस रिपोर्ट के पांच भाग । भाग एक, दो, तीन और चार में संचार की वर्तमान पद्धतियों और संसाधनों तथा अवस्थापनाओं, नीतियों और मानकों का वर्णन और विश्लेषण किया गया है। पांचवें और अंतिम भाग में निष्कर्ष और सिफारिशें दी गई है तथा ऐसे विषय दिए गए हैं जिन पर आगे अध्ययन करने की आवश्यकता है ।

3. सिफारिशें संचार विकास के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित हैं यथा